RAF SECTOR

NEWS CLIP

09/04/2021

TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

Rajasthan Patrika, Ahmedabad (G.J)

मिट्टी से पुलवामा में बनाना चाहते हैं भारत का नक्शा : बेंगलूरु के उमेश युवाओं में देशभक्ति के जज्बे का दे रहे हैं संदेश

शहीदों के आंगन की मिट्टी के लिए 80 हजार किलोमीटर का सफर

पुष्पेन्द्र सिंह
patrika.com

गांधीनगर. देश पर जान न्योछावर करने वाले शहीदों का बलिदान यादगार बनाने के मिशन पर निकले हैं महाराष्ट्र के औरंगाबाद मूल के बेंगलूरु में रहने वाले उमेश गोपीनाथ जाधव। उनकी तमन्ना शहीदों के आंगन की मिट्टी से पुलवामा में शहीद स्मारक बनाने की है। वे अब तक देशभर में अस्सी हजार किलोमीटर का सफर कर 120 शहीदों के घरों तक पहुंचकर उनके आंगन की मिट्टी कलश में जमा कर चुके हैं। इसके जरिए वे युवाओं को देशभक्ति का जज्बा पैदा करने का संदेश दे रहे हैं। उमेश अहमदाबाद में जम्मू-कश्मीर में शहीद हुए जवान ऋषिकेश रामाणी के घर पहुंचकर उनके परिजनों से भी मिले। उन्होंने रामाणी की तस्वीर और उनके आंगन की मिट्टी ली। उमेश शहर के बखाल स्थित द्रुत कार्य बल (आरएएफ) के कैम्प पहुंचे, जहां बटालियन कमाण्डेन्ट पुष्पेन्द्र कुमार ने सरदार पोस्ट की मिट्टी लाने के लिए कलश भेंट किया और रास्ते में आने वाले सभी बाधाओं में हर संभव सहायता की बात कही। 100वी वाहिनी के आरएएफ परिसर में शहीद स्मारक पर उमेश का स्वागत किया गया। उमेश के मुताबिक 'पहले भारतीय' मिशन बनाकर शहीदों के आंगन की मिट्टी एकत्रित करने वर्ष 2019 में कार से निकले हैं। अपनी कार में उन्होंने दूसरी छोटी कार जोड़ दी है जिसमें शहीदों की यादें हैं। मिशन का कोई प्रायोजक नहीं है और न ही यह किसी तरह का राजनीतिक मिशन है।

विभिन्न युद्ध से जुड़े शहीदों के 120 परिवारों से मिले

उमेश अब तक पुलवामा के 40 शहीद परिवारों के साथ-साथ विश्व युद्ध, वर्ष 1947, 1965 और 1971 के युद्ध, करगिल युद्ध में शहीदों के 120 परिवारों से मिले हैं। साथ ही भारतीय सेना के पहले प्रमुख फील्ड मार्शल के एम करिअप्पा तथा 1971 के युद्ध के हीरो फील्ड मार्शल सैम मानेक शॉ के आंगन की मिट्टी भी एकत्रित की है। इस मिट्टी से वे जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में शहीद स्मारक की तरह ही भारत का नक्शा बनाना चाहते हैं। शहीदों के आंगन की मिट्टी वाला कलश वे नई दिल्ली में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक को अर्पित करेंगे।

Photos of Deployment/Fam-Ex Of RAF

सी0आर0पी0एफ0 सदा अजेय, भारत माता की जय।